हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 4 दिसंबर 2025

06 अवैध रूप से संचालित हो रहे कई मेडिकल स्टोर...

09 बस ने कार को पीछे से मारी टक्कर 12 यात्री घायल...

खबर संक्षेप

बस स्टैंड नहीं आतीं बसें करना पड़ता है इंतजार

सीहोर। इंदौर, भोपाल और उज्जैन की ओर जाने वाली कई बसें सीधे बायपास से निकल जाती हैं। भोपाल जाने वाली बसें भी बस स्टैंड पर नहीं रुकतीं। इन्हें सैकड़ाखेड़ी रोड की तरफ खड़ा कर दिया जाता है। यात्रियों को इन बसों में चढ़ने के लिए सड़क किनारे खड़ा रहना पड़ता है। वहां बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। रोजाना लोग परेशान होते हैं। आरटीओ विभाग ने कई बार इन बस चालकों पर कार्रवाई की। उन्हें बस स्टैंड भेजा गया। कुछ दिन तक नियम चला, फिर हालात पहले जैसे हो गए। बस स्टैंड पर भी यात्रियों के लिए सुविधाएं नहीं हैं। प्रतीक्षालय तक नहीं है। लोग दुकानों के सामने खड़े होकर बसों का इंतजार करते हैं।

वाहनों की रफ्तार पर लगना चाहिए लगाम

सीहोर। शहर में इन दिनों बाइक ही नहीं, चार पहिया वाहन भी तेज रफ्तार से दौड़ रहे हैं। बाजार क्षेत्र में भी कई बार ऐसी स्थिति बनती है। हर रात इंदौर नाका से चौपाल सागर रोड तक चार पहिया वाहन तेज गति से गुजरते हैं। कुछ दिन पहले इसी रोड पर एक हादसा हुआ था। एक युवक की जान चली गई थी। बाजार में बाइक सवार भी तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। ऐसे में टक्कर होने पर बचना मुश्किल हो जाता है। यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। यातायात पुलिस को ऐसे वाहन चालकों पर सख्ती करनी चाहिए। जब तक कार्रवाई नहीं होगी, हादसों पर रोक लगना मुश्किल है। कई बाइक में तेज आवाज वाले उपकरण लगाए गए हैं।

छात्र बोले: अपनी गलती नहीं मान रहा प्रबंधन, 10 से 20 लाख रुपए खर्च के बाद भी भविष्य लगा दांव पर

वीआईटी में इंटीग्रेटेड एमटेक कंप्यूटर साइंस इन एआई की डिग्री से कम्प्यूटर साइंस शब्द गायब !

छात्रों के अनुसार 2020 के अंत में एडमिशन के समय उनके सिस्टम और वेबसाइट पर डिग्री का नाम 'इंटीग्रेटेड एमटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन एआई' ही था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कोठरी स्थित प्रतिष्ठित वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) पर उसके छात्रों ने डिग्री के नाम पर धोखाधड़ी और भविष्य से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि उन्हें इंटीग्रेटेड एमटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन एआई की डिग्री देने का वादा किया गया था, लेकिन अक्टूबर 2025 में मिली डिग्री में से कंप्यूटर साइंस शब्द गायब कर दिया गया, जिससे उनके करियर पर संकट खड़ा हो गया है।

छात्रों के अनुसार 2020 के अंत में एडमिशन के समय उनके सिस्टम और वेबसाइट पर डिग्री का नाम 'इंटीग्रेटेड एमटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन एआई' ही था। उस वक्त जब छात्रों ने इस विषय पर प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा तो प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि जो नाम सिस्टम में है, वही डिग्री में भी मिलेगा। इसी भरोसे पर छात्रों ने एफिडेविट बनवाकर जमा किए, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि 2020 के अंत में 'और सिस्टम से 2021 में' कंप्यूटर साइंस शब्द हटा दिया गया। यह समस्या 2019 बैच से 2025 तक के सभी छात्रों को प्रभावित कर रही है, जिनकी संख्या 800 से अधिक बताई जा रही है।

छात्रों को डर, अब भविष्य दांव पर: छात्रों को डर है कि डिग्री में कंप्यूटर साइंस न होने के कारण वे सरकारी विभागों में कंप्यूटर साइंस की नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे। वे केवल यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें एक ऐसा लिखित पत्र दिया जाए, जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा हो कि दोनों डिग्रियां (पुरानी और नई) समान हैं।

प्रबंधन की गलती का खुलासा: एआई विभाग के कुछ वरिष्ठ अध्यापकों ने छात्रों को अनौपचारिक रूप से बताया है कि यह प्रबंधन की गलती थी। यह नाम एमआईपी कोर्स से हटाया जाना था, लेकिन गलती से एमआईएम कोर्स से हट गया, जिसे अब कोई सुधारना नहीं चाह रहा क्योंकि यह बहुत बड़ी गलती है। वहीं इस मामले में वीआईटी के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि इस मामले को हम वरिष्ठ अधिकारियों को दिखवाएंगे।

गोल्ड मेडलिस्ट को लगाई फटकार

पांच साल तक छात्रों ने इस मुद्दे पर शिकायतें कीं, लेकिन हर बार मैनेजमेंट बदलने के कारण कोई समाधान नहीं निकला। जब अक्टूबर 2025 में छात्रों को इंटीग्रेटेड एमटेक इन एआई की डिग्री मिली तो गोल्ड मेडलिस्ट शाकल्या ने एबीपी और वाइस चांसलर सहित सभी उच्च प्रबंधन को ईमेल किया। कई अन्य छात्रों ने भी मेल किए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बजाय एडमिशन डायरेक्टर ने शाकल्या को फोन पर खूब डांटा यह कहते हुए कि 97 प्रतिशत नंबर लाने के बावजूद उन्हें पता नहीं कि किससे संपर्क करना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि शुरू में कंप्यूटर साइंस डिग्री में शामिल था, लेकिन बाद में हटा दिया गया, यह तर्क देते हुए कि एआई के साथ कंप्यूटर साइंस खुद समझ में आ जाता है। उन्होंने छात्रों को अपनी मार्कशीट दिखाने की सलाह दी, जिसमें कंप्यूटर के विषय लिखे हैं।

छात्रों के प्रबंधन से सवाल

- जब एआई के साथ कंप्यूटर साइंस खुद समझ में आता है और पढ़ाया भी गया है तो उसे डिग्री पर लिखकर देने में क्या दिक्कत है।
- यूजीसी की किस धारा के तहत एडमिशन देने के बाद डिग्री का नाम बदला गया।
- यदि यह सब कानूनी है तो इसका आधिकारिक आदेश तो छात्रों को क्यों नहीं दिया गया।
- यदि सब कुछ वैध है तो लिखित में जवाब देने से क्यों बचा जा रहा है।

10 से 20 लाख रुपए खर्च, फायदा क्या?

बताया जा रहा है कि छात्र-छात्रा सौरभ, सौम्या, अर्गिश, वेदांत, शालू सिंह और शाकल्या ने इस मामले पर मेल किए हैं। इधर संवाददाता से चर्चा करते हुए छात्रों ने बताया कि 10 से 20 लाख रुपए फीस भरने के बाद छात्रों को अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उनके सीनियर भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। छात्रों ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

उद्योग लगाने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी।

तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराई, चालक घायल

सीहोर। बुधवार सुबह बड़ा मुंगावली के पास एक तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि सेमरा दांगी गांव की यह कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभा कई हिस्सों में टूटकर गिर गया और कार खेत में जा समाई।

हादसे के समय कार में सिर्फ चालक ही मौजूद था। टक्कर की तीव्रता के बावजूद उसे सिर्फ हल्की चोटें आईं, जो किसी बड़े हादसे से बच जाने जैसी बात है। घटना होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रैक्टर की मदद से कार को खेत से बाहर निकाला और घायल चालक को जिला अस्पताल पहुंचाया।

ग्रामीणों का कहना है कि कार की गति काफी अधिक थी, जिससे टक्कर इतनी भीषण हुई। हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऐजेन्सी देना है। हरिभूमि
सीहोर जिले में एजेन्सी देना है।
बरखेड़ी, मेहतवाड़ा, श्यामपुर, भौरासा, बिलकिसगंज, लड़कुई, नसरूल्लागंज (भैरूदा), अमलाहा, सलकनपुर, बयां, शाहगंज, डोबी बक्तरा
पता :- हरिभूमि कार्यालय 4 फ्लोर, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल
मो.: 8770833858, 9827743042

शिष्योपनयन संस्कार और अभिमुखीकरण कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

सीहोर। आयुर्वेद और सिद्ध अध्ययन विद्यालय श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेस में नवप्रवेशित छात्र सत्र 2025-26 के शिष्योपनयन संस्कार एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम मानकों के अनुसार आगामी 15 दिनों तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि में विद्यार्थियों को आयुर्वेद की उपयोगिता, पाठ्यक्रम की रूपरेखा, एवं आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जाएगा।

इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुसूदन देशपांडे, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ गुरु आरोग्य भारती के पूर्व सचिव, डॉ. हरेंद्र भदौरिया, नीमा राष्ट्रीय संगठन, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी, कुलसचिव डॉ. हेमंत शर्मा परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय राठौर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण वानखेड़े उपस्थित रहे। डॉ. मधुसूदन देशपांडे ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को आयुर्वेद को पूर्ण रूप से अंगीकार करते हुए ज्ञानार्जन करना चाहिए तथा भविष्य में उसी ज्ञान को समाज सेवा एवं चिकित्सा रूप में समर्पित करना चाहिए। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा के महत्व को विस्तार से बताते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार किया।

कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी ने कहा कि आगामी समय आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संभावनाओं से परिपूर्ण है। अतः विद्यार्थियों को अनुशासित रहकर पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ विद्याभ्यास करना चाहिए। डॉ. हरेंद्र भदौरिया ने संगठन की गतिविधियों एवं उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संगठन से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान परीक्षाओं में उत्तम प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसी सत्र में डॉ. अरुण वानखेड़े एवं डॉ. भावना भाटिया द्वारा लिखित आयुर्वेद विषयक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। विद्यार्थियों को चरक शपथ प्राचार्य डॉ. अरुण वानखेड़े द्वारा दिलाई गई, जिसमें चिकित्सक धर्म एवं मानवीय मूल्यों के पालन का संकल्प कराया गया। संचालन एवं आभार डॉ. ज्योति धाकड़ द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. त्रृप्ती येनुरकर द्वारा व्यक्त किया गया। शिष्योपनयन संस्कार कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयुर्वेद के पथ पर आगे बढ़ने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कार्यक्रम ने एक सार्थक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण का निर्माण किया।

दिव्यांग दिवस पर किया सहायक उपकरणों का वितरण

भाजपा के राज में दिव्यांगता बन चुकी है वरदान: अरूणा राय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

विश्व दिव्यांगता दिवस की पूर्व संध्या पर क्रिसेंट रिसॉर्ट में आयोजित भव्य कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों एवं वृद्धजनों को संबोधित करते हुए अरुणा सुदेश राय ने कहा कि पहले की सरकारों में शारीरिक रूप से आशक्त महिला पुरुषों बच्चों को अपाहिज कहा जाता था। भाजपा की केंद्र में सरकार आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामाजिक सम्मान देते हुए आसक्तजनो को दिव्यांग नाम दिया। अब भारतीय जनता पार्टी के राज में दिव्यांगता वरदान बन चुकी है और हर क्षेत्र में दिव्यांगजन तरक्की कर रहे हैं। कार्यक्रम को वरिष्ठ समजसेवी अखिलेश राय ने भी संबोधित किया और दिव्यांग बच्चों एवं वृद्धजनों को वसुन्धरा वेलफेयर फाउंडेशन के सौजन्य से 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सहायक उपकरण वितरित किए। विधायक सुदेश राय के सतत प्रयासों तथा *समाजसेवी अरुणा सुदेश राय के सहयोग से वसुन्धरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित

किया गया कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों एवं वृद्धजनों को उनकी आवश्यकतानुसार TLM किट, CP चेयर, व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवणयंत्र, बैसाखी, छड़ी, फोल्डिंग स्टिक सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए। समाजसेवी अरुणा सुदेश राय ने अपने कहा कि वसुन्धरा वेलफेयर फाउंडेशन जिस निष्ठा और करुणा के साथ मानव सेवा का कार्य कर रही है, वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायी है।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 371. मेश पटेल पिता\पति ईश्वर पटेल पता- चंगोरा भाटा रायपुर, 372. हेमांगी शांडिल्य पिता\पति अमृत शांडिल्य पता– रायपुर, 373. हरिशंकर चंद्राकर पिता\पति स्व. फूलसिंह चंद्राकर पता- सुन्दर नगर रायपुर, 374. रूप राम साहू पिता\पति चैन सिंह साहू पता - बोरिया खुर्द रायपुर, 375. मिथलेश आडिल पिता\पति अजीत राम आडिल पता- राम नगर चंगोरा भाठा रायपुर, 376. रूपराम देवांगन पिता\पति घसिया राम देवांगन पता- मथपुरेना रायपुर, 377. सृष्टि चंद्राकर पिता\पति देवेन्द्र कुमार चंद्राकर पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 378. जितेश कुमार देवांगन पिता\पति बलदेव देवांगन पता- शहीद भगत सिंह चौक टिकरापारा रायपुर, 379. एशिता सेन पिता\पति जितेन्द्र सेन पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 380. त्रिशा सिन्हा पिता\पति पदमलोचन सिन्हा पता- मोहंदा तरपोंगी रायपुर, 381. अनन्या साहु पिता\पति रोशन लाल साहु पता- सरकडा पोस्ट पांडुका, 382. देवानंद साहू पिता\पति महेतरू राम साहू पता- दहदहा धमतरी, 383. लता बाई साहू पिता\पति सनत राम साहू पता- बकली कुरूद धमतरी, 384. सैय्यद मख्मूद अली पिता\पति सैय्यद महमूद अली पता- सिहावा चौक धमतरी, 385. थानेखर सिन्हा पिता\पति राम कुमार सिन्हा पता- भोथिपार खुर्द नयापारा राजनादगांव, 386. पशुपति नाथ ताम्रकार पिता\पति स्व. शंकर लाल ताम्रकार पता- गैंदाटोला राजनादगांव, 387. सुनीता सोनी पिता\पति राकेश कुमार सोनी पता- सोनार पारा राजनादगांव, 388. चित्रांश चौहान पिता\पति हेमंत कुमार चौहान पता- बेमेतरा, 389. झामिन देवांगन पिता\पति हरीश कुमार देवांगन पता- सरगपाल कांकेर, 390. ईश्वर चंद खिस्ती पिता\पति स्व. सूर्यकान्त खिस्ती पता- चितौद पुरुर धमतरी, 391. सरिता राव पिता\पति M.G. राव पता- नयापारा जगदलपुर, 392. राजेंद्र सिदार पिता\पति वासुदेव सिदार पता- अयोध्या नगर महासमुंद, 393. बेला शर्मा पिता\पति विजय कुमार शर्मा पता- AH\34 कलेक्टर कॉलोनी कवर्धा, 394. कुंदन वर्मा पिता\पति भेलेंद्र कुमार वर्मा पता- अर्जुनी, 395.मिथलेश ठाकुर पिता\पति लक्ष्मा ठाकुर पता- डी.एन. के. कोंडागांव, 396. हर्षित टंडन पिता\पति द्वारिका प्रसाद पता- क्वा.2/C 15 जोन- 1 खुर्सीपार, 397. निर्मल सिंह पिता\पति स्व.तेजा सिंह पता- Q.N.-90/Jकैंप -01 भिलाई, 398. केशव दास साहू पिता\पति दानी राम साहू पता-वार्ड न.-27 सुभाष नगर खुर्सीपार भिलाई, 399. खिलेश देवांगन पिता\पति चैत लाल देवांगन पता- क्वा. न. 5\H जोन-01 खुर्सीपार भिलाई, 400. अन्नपूर्णा साहू पिता\पति तुला राम साहू पता-रामनगर भिलाई, 401. चैतन्य साहू पिता\पति तेजप्रकाश साहू पता-अंजोरा दुर्ग, 402. रेखचंद ठाकुर पिता\पति रोमन ठाकुर पता- गनियारी दुर्ग, 403. सतीश देवांगन पिता\पति स्व.जीवन लाल देवांगन पता- कोष्टा पारा देवांगन, 404. पंकज कुमार पटेल पिता\पति स्व. नन्द कुमार पटेल पता- पटेल पारा वार्ड क्र.57 उरला दुर्ग, 405. समय लाल साहू पिता\पति नजऊ राम साहू पता-पुरनी बस्ती पोटियाकला दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण-** 406. नारायण कुमार सोनी पिता/पति -महेंद्र कुमार सोनी पता– बड़ौदा, 407. दिनेश देवांगन पिता/पति लखन लाल देवांगन पता- मेन रोड गांधी चौक सिवनी चांपा, 408. अननिया शराफ़ पिता/पति यशवंत शराफ़ पता– बलौदा, 409. महेंद्र कुमार सोनी पिता/पति शिव कुमार सोनी पता- बलौदा सोनरपारा, 410. अखिलेश्वर प्रसाद पिता/पति स्व. रेशम लाल पता- पौना जांजगीर, 411. अरुण कुमार यादव पिता/पति प्रकाश चंद यादव पता- खोखासा वार्ड- 4 जांजगीर, 412. रामेश्वर कुमार सूर्यवंशी पिता/पति पीसोद जांजगीर, 413. विकेश यादव पिता/पति रघुलाल यादव पता- पुरानी बस्ती नैला वार्ड-4, 414. पीयूस यादव पिता/पति तिवारी पारा खरौद नगर जांजगीर रायगढ़ जिला 415. रूप दर्शन पिता/पति अजय कुमार दर्शन पता- केलो विहार कालोनी, 416. ललित गुप्ता पिता/पति श्याम चंद्र गुप्ता पता- कंसबेल 417. लालिमा चौहान पिता/पति जीवरधन चौहान पता- बेलाडुल खररघाट, 418. जीवर्धन प्रसाद चौहान पिता/पति स्व. सुकमुना चौहान पता- बेलाडुल रायगढ़ 419. श्याम सिंह ठाकुर पिता/पति स्व. अमरनाथ सिंह ठाकुर पता- दारोगपारा रायगढ़ मुंगेली जिला, 420. प्रिया तंबोली पिता/पति मनीष तंबोली पता- शिक्षक नगर आंबेडकर वार्ड मुंगेली 421. श्रृंखला शर्मा पिता/पति चंद्रशेखर शर्मा पता- मुंगेली, 422. डॉली श्रीवास पिता/पति कमलेश श्रीवास पता- अग्रसेन वार्ड, 423. संतोष कुमार पाठक पिता/पति स्व. सलिक राम पाठक पता- मुंगेली, 424. अक्षय कुमार देवांगन पिता/पति राजेश देवांगन पता- पड़ाव पारा मुंगेली, 425. रितिका देवांगन पिता/पति बसंत देवांगन पता- आंबेड़कर वार्ड मुंगेली, 426. धीरज बांध पिता/पति संदीप बांध पता- मिशन कम्पाउन्ड मुंगेली, 427. दिवांश पटेल पिता /पति वार्ड-1 सूरदा देवरी, 428. आंचल पटेल पिता/पति वार्ड-1 सड़क पारा सूरदा देवरी मुंगेली, **भोपाल संस्करण -** 429. अंशुल सेन पिता\पति विनोद सेन पता- ई-6 जनता कॉलोनी अरेरा कॉलोनी, 430. पूजा सेन पिता\पति विनोद सेनशाहपुरा, 431. रोशन रैकवार पिता\पति विमल रैकवार पता- 21 श्याम नगरभोपाल, 432 .दिनेश कुमार पटेल पिता\पति रामसलोने पता-पटेलशॉप 18 मेट्रो वॉक विटटन मार्केट, 433. रवि कुमार पाण्डेय पिता\पति किशन पाण्डेय पता-विश्वकर्मा नगर, 434. नीरज चौबे पता- विदिशा पेढ़ी स्कूल के पास, 435. रानी कुशवाह पिता\पति सुनील कुशवाह पता- विदिशा, 436. आदित्य सक्सेना पिता\पति मनोज सक्सेना पता- मकान नं.115 फेस-3 अरिंहंत विहार विदिशा, **जबलपुर संस्करण** 437. नरेंद्र कुमार जैन पिता\पति स्वर्गी कोमल चंद्र जैन गोल बाजार जबलपुर, 438. प्रेमा नारायण पिता\पति बसु देव संजय गांधी नगर कटंगा जबलपुर, 439. अंश सोनोने पिता\पति शरद सोनोने पता- 970 मंजू पर्थ दीक्षित पूरा उपरैनगंज डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद वार्ड जबलपुर, 440. प्रिथम नायक पिता\पति प्रदीप नायक पता- नेहरू वार्ड क्रमांक 8 पाटन, 441. सुजीत कुमार द्विवेदी पिता\पति श्री रमेश प्रसाद द्विवेदी वार्ड नंबर 1 अनूपपुर, 442. जितेंद्र गौतम पिता\पति स्वर्गीय बाला प्रसाद गौतम अनूपपुर कोतमा, 443. आरती गुप्ता पिता\पति अभिनेश गुप्ता वार्ड नंबर 6 पुरानी बस्ती कोतमा, 444. अर्चित पांडे पिता\पति भानु कुमार पांडे कोतमा।

नियम एवं शर्तें लागू*
शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

पुल पर जाली लगाई फिर भी लोग नाले में डाल देते हैं कचरा

सीहोर । नगर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका ने कई प्रयास किए, लेकिन लोगों में जागरूकता का अभाव अभी भी है। कुछ साल पहले, नगर पालिका ने नाले को साफ-सुथरा रखने के लिए सभी पुलों पर जाली लगवाई थी ताकि लोग पुल के ऊपर खड़े होकर नाले में कचरा न डालें। इसके बावजूद, लोग नहीं मानते और जाली के ऊपर से कचरे से भरी पॉलीथिन नाले में फेंक देते हैं। इससे नाले में कचरा दिखाई देने लगा है। अमर टॉकीज पुल, कोतवाली पुल और सीवन नदी के पुल पर इस तरह की जाली लगाई गई थी। इसके बावजूद, तीनों जगहों पर लोग इसी तरह कचरा डालते आ रहे हैं। इससे नदी का पानी भी खराब हो जाता है। लोगों को चाहिए कि वे कचरे को कचरा वाहन में डालें, जिससे पानी दूषित न हो। जब कचरा वाहन हर रोज लोगों के घर आते हैं, तो कचरा उन्हीं में डालना चाहिए।

किसान, गोबर और गो-मूत्र से खाद बनाएं

सीहोर। किसान भाई सदियों से गोबर से खाद बनाता आया है। कृषि विभाग के अधिकारी प्राकृतिक संसाधनों से जैविक खाद का अपयोग करने की सलाह लगातार दे रहे है अब किसान जानगये है ओर अब कई किसानों ने गौ-मूत्र और गोबर, पत्तों से खाद बना कर खेतों में उपयोग किया जा सकता है। हम सभी को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभानी होगी। प्राकृतिक खेती हम सभी के लिये लाभदायक है। किसान अपने खेत पर गोबर और गोमूत्र से खाद भी बनाया है। मध्य प्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। कई किसानों ने अपने खेत में प्राकृतिक खेती प्रारंभ की है।

जिम्मेदारों की अनदेखी से खिलवाड़, किराए के लाइसेंस पर चला रहे मेडिकल स्टोर, बिना अनुभव वाले भी दे रहे दवाइयां

अवैध रूप से संचालित हो रहे कई मेडिकल स्टोर अधिकारी नहीं कर रहे दुकानों की जांच-पड़ताल

मुख्यालय सहित तहसील क्षेत्र में दर्जनों मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे है। इनमें से अधिकांश मेडिकल दुकानें अवैध रूप से बिना डिग्री व लाइसेंस अथवा किराए के लाइसेंस पर संचालित की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में अवैध रूप से मेडिकल दुकानों का संचालन किया जा रहा है। इनमें कई मेडिकल संचालक किराए पर लाइसेंस लेकर बिना डिग्री और अनुभव के लोगों को दवाईयां सप्लाई कर रहे है, जो रोगियों के लिए उनकी जान पर भी बन सकती है। लेकिन इसके बाद भी न तो प्रशासन इस ओर ध्यान दें रहा है । और ना ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस कारण इन मेडिकल संचालकों के होंसले बुलंद हैं । वह नियमों के खिलाफ अवैध रूप से मेडिकल दुकानों का संचालन कर रहे हैं। लोगों ने ऐसे मेडिकल दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

मुख्यालय सहित तहसील क्षेत्र में दर्जनों मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे है। इनमें से अधिकांश मेडिकल दुकानें अवैध रूप से बिना डिग्री व लाइसेंस अथवा किराए के लाइसेंस पर संचालित की जा रही है। नियमानुसार जिनके पास फार्मासिस्ट की डिग्री होती है वहीं मेडिकल दुकानों का संचालन कर सकता है। डिग्री धारक को ही दुकान संचालित करने का अधिकार है। लेकिन क्षेत्र में कई मेडिकल दुकानों पर फार्मासिस्ट की डिग्री के

आधार पर दूसरे लोग दुकानों का संचालन कर रहे है। जिन्हें दवाइयों का कोई अनुभव नहीं है ।

वहीं उनकी दुकानों पर कम पढ़ें लिखे व अनुभवहीन कर्मचारी दुकान पर आने वाले ग्राहकों को दवाई, गोली सप्लाई कर रहे है। ऐसे में कई बार यह लोग डॉक्टर की पर्ची पर लिखी दवाई या बिना जानकारी के दवाई , गोली उपभोक्ताओं को दे दी जाती है। इससे उनके साईड इफेक्ट झेलना पड़ते हैं। कई बार तो ग़लत दवाई देने के कारण मरीजों की जान पर बन आती है। जागरूकता का अभाव और कम पढ़ें लिखे होने के कारण ग्राहक इन दवाओं का डॉक्टर के पर्चे से मिलान भी नहीं करते हैं। इसके चलते उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मनोज , दिलशान , राजेश आदि नागरिकों का कहना है कि नगर में कई मेडिकल दुकानों पर गर्भनिरोधक गोलियों के साथ ही कई प्रतिबंधित दवाईयां बेची जाती है। जिनका संचालक द्वारा मनमाना रेट वसूला जाता है।

कोरोना के बाद बड़ी संख्या में खुले मेडिकल

कोरोना संक्रमण के बाद से तहसील क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने मेडिकल दुकानों का संचालन शुरू कर दिया है। इससे पहले नगर व ग्रामीण क्षेत्र में चुनिंदा दुकानें थीं , लेकिन अब बस स्टैंड, हाइवे किनारे व अन्य गली , मोहल्लों में मेडिकल दुकानों का संचालन किया जा रहा है। यही हाल ग्रामीण अंचल में भी है। जिन्हें बिना प्रशिक्षित लोग संचालित कर रहे है। इसके बाद भी विभाग इनकी जांच नहीं कर रहा है। नगर में लंबे समय से मेडिकल दुकानों की जांच नहीं की गई है।

कई मेडिकल संचालक ही डॉक्टर की नहीं पढ़ पाते हैं पर्ची, दूसरी दे देते हैं दवाई

अधिकांश मेडिकल दुकानों पर बिना डिग्रीधारी और कम पढ़ें लिखे लोग बैठते हैं। जो कई बार डॉक्टर की पर्ची नहीं पढ़ पाते है। इनके द्वारा उपभोक्ताओं को ग़लत दवाईयां दे दी जाती है। कई बार तो संचालक बिना डॉक्टर की पर्ची के ही मरीज से बिमारी के लक्षण पूछकर अपने हिसाब से दवाईयां दे देते हैं। जिससे मरीज के स्वास्थ्य पर साईड इफेक्ट होने के साथ ही जान पर बन रही है। बिछोली के संतोष ने बताया कि मेरी पत्नी की तबीयत खराब होने पर डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर ने जांच कर कुछ दवाइयां लिखी थी । उक्त पर्ची लेकर हाइवे किनारे एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचा तो दुकान पर बैठे एक युवक पहले तो पर्ची में लिखी दवाई को काफी देर तक समझता रहा, फिर मुझसे बिमारी के संबंध में जानकारी लेकर दवाई दी। जब उन दवाईयों को डॉक्टर से चेक कराई तो पता चला वह पर्ची में लिखी दवाई नहीं है। नगर के मांगीलाल ने बताया कि उनकी तबीयत खराब होने पर डॉक्टर को दिखाकर दवाईयां मेडिकल स्टोर से खरीद ली। संबंधित मेडिकल संचालक ने दवाई दिन में तीन बार लेने की बात कही थी , काफी दिनों तक जब ठीक नहीं हुआ तो वहीं दवाई दूसरे मेडिकल स्टोर से ली । वहां उन्होंने दवाई का सेवन सुबह और शाम करने को कहा। बाद में पता चला कि मैं दवाई का ओवर डोज ले रहा था। जिससे शरीर में कई साईड इफेक्ट देखने को मिलें। लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेडिकल संचालक के पास स्वयं की डिग्री नहीं है। वह किराए पर डिग्री लेकर दुकान चला रहा है।

मेडिकल पर बेच रहे हैं खाद्य पदार्थ

कई मेडिकल दुकानों पर संचालक द्वारा चॉकलेट , चिंगम , बिस्कुट, हाजमोला सहित कई खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है, लेकिन खासबात यह है कि इनके पास फ़ूड लाइसेंस नहीं है। बिना फ़ूड लाइसेंस के खाद्य पदार्थ बेचना कानून के विरुद्ध है। लेकिन विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के कारण संचालक यह खुलेआम और धड़ल्ले से कर रहे है।

जांच की जा रही है

जिलेभर में मेडिकल स्टोर्स के निरीक्षण की मुहीम चलाई जा रही है । जहां भी मेडिकल नियमानुसार संचालित नहीं हो रहे हैं वहां संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इछावर क्षेत्र में भी जल्दी ही मेडिकल दुकानों की जांच की जाएगी।

किरण कुमार मगरे, ड्रग्स इंस्पेक्टर सीहोर

भोपाल गैस त्रासदी की याद में मॉकड्रिल आयोजित

बुधनी। ट्राइडेंट में बुधवार को भोपाल गैस त्रासदी की याद में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 2 और 3 दिसंबर 1984 की रात हुई भीषण दुर्घटना को याद करते हुए यह अभ्यास संभावित गैस लीक की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया विकसित करने के उद्देश्य से किया गया।मॉक ड्रिल के दौरान फायर सेफ्टी टीम ने गैस लीक की स्थिति में अपनाए जाने वाले तारीको का व्यवहारिक प्रदर्शन किया तथा अग्नि सुरक्षा सिस्टम को सक्रिय कर संपूर्ण प्रक्रिया का अभ्यास कराया कार्यक्रम में एडमिन हेड पार्थ गोस्वामी,सिक्योरिटी हेड अरुण कुमार, फायर हेड रवींद्र गोइया और सेफ्टी हेड अमोल थेपे उपस्थित रहे अधिकारियों ने टीम को किसी भी आकस्मिक

घटना से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहने के निर्देश दिए।

वित्तीय समझदारी-समृद्धि नारी विषय पर भारतीय रिज़र्व बैंक के द्वारा विशेष व्याख्यान का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में आज आई क्यू ए सी, वाणिज्य विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वधान में भारतीय रिज़र्व बैंक के सौजन्य से "वित्तीय समझदारी - समृद्धि नारी" विषय पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में वित्तीय ज्ञान, बचत की आदत, डिजिटल लेन–देन की सुरक्षा तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनूप सिंह द्वारा की गई। मुख्य वक्ता विशेषज्ञ धीरज गुप्ता अग्रणी प्रबंधक सिहोर जिला भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल एवं जयदीप भट्टाचार्य एलडीएम, बैंक ऑफ़ इंडिया सीहोर ने छात्राओं को आर्थिक साक्षरता, बजट प्रबंधन, बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग, डिजिटल भुगतान के सुरक्षित तरीकों, तथा साइबर फ्रॉड से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने यह भी बताया कि आज के युग में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी राष्ट्र की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। वित्तीय समझदारी न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुरक्षित बनाती है, बल्कि समाज में महिलाओं को सशक्त भी करती है। ऐसे कार्यक्रम छात्राओं को वित्तीय रूप से जागरूक बनाते हैं और उन्हें भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम करते हैं। कार्यक्रम अंत मे एक ऑनलाइन प्रश्नावली भी रखी गई जिसमें विजेता छात्राओं पुरूस्कार से सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन लखन लाल कलशेरिया एवं आभार डॉ पूजा कश्यप द्वारा दिया गया ।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक , अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने प्रश्न पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा सरल और प्रभावी ढंग से किया गया।

एफआईआर की प्रतियां जलाकर किया रोष प्रदर्शन

सीहोर। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के आव्हान एवं परमानंद डेहरिया राष्ट्रीय सचिव प्रांताध्यक्ष के निर्देश अनुसार 02 दिसंबर 2025 को मध्यप्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों में एफआईआर की प्रतियां जलाकर रोष प्रगट करते हुए दर्ज एफआईआर को वापिस की मांग मध्यप्रदेश के कर्मचारीयो ने की।

ज्ञातव्य है कि दिनांक 25 नवंबर 2025 को संवैधानिक महारैली नई दिल्ली के जंतर-मंतर में पुरानी पेंशन बहाली,टेट की अनिवार्यता समाप्त एवं निजीकरण,निगमीकरण की समाप्ति को लेकर देश व्यापी शांति पूर्वक प्रदर्शन किया गया। जिसकी नियमानुसार अनुमति ली गई थी,अधिक संख्या का हवाला देकर दिल्ली पुलिस प्रशासन द्वारा नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के राष्ट्रीय वरिष्ठता उपाध्यक्ष श्री सुखजीत सिंह सहित अन्य तीन विजेन्द्र सिंह धालीवाल, रूपेश कुमार, सर्वजीत सिंह पदाधिकारियों पर विभिन्न धाराओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसमें बताया गया पुरानी पेंशन बहाली के लिए धरना प्रदर्शन में नियमों की अनदेखी की गई। इस बात लेकर देश भर के कर्मचारियों में भारी रोष है, क्योंकि अपने अधिकार के लिए शान्ति पूर्ण तरीके से बात कहने का अधिकार देश के कर्मचारियों को हैं। सरकार और प्रशासन से इस कार्यक्रम की नियमानुसार अनुमति ली गई और प्रदर्शन शान्ति

पूर्ण तरीके से निर्धारित स्थान व समय पर किया गया। कर्मचारी का पुराना पेंशन संवैधानिक अधिकार है जिसके लिए विगत 15 वर्षों से निरंतर आन्दोलन जारी है। किन्तु सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांग नहीं मानी जा रही है कर्मचारी अपने भविष्य की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। एफआईआर के विरोध में विजय कुमार बंधु राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश व्यापी एफआईआर की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

02 दिसंबर 2025 को शाम 5 बजे मध्यप्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर एफआईआर की कापी जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भोपाल सम्भाग के सीहोर जिला मुख्यालय के आष्टा बस स्टैंड पर एनएमओपीएस पदाधिकारीयो पर दर्ज एफआईआर वापस लो, अटक से कटक तक, कश्मीर से कन्या कुमारी तक भारत एक हैं और सभी एनएमओपीएस कर्मचारी एक हैं, साथ साथ हैं। हमें पुरानी पेंशन चाहिए। एनपीएस, युपीएस वापस लो। एक देश एक पेंशन ओपीएस लागू हों। हम अपना अधिकार मांगते नही किसी से भीख मांगते। जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है।

इस अवसर पर बाबू लाल मालवीय प्रांत संयोजक, बद्री प्रसाद मालवीय एनएमओपीएस भोपाल सम्भाग मीडिया प्रभारी, सवाई सिंह परिहार संभाग/जिला अध्यक्ष, जीवन सिंह ठाकुर जिला संयोजक , मनीष सारसिया, संजय श्रीवास्तव जिला महा सचिव , राजेश गुनावदिया जिला सचिव, लखन सिंह ठाकुर ब्लॉक संयोजक आष्टा, मदन परमार ब्लॉक अध्यक्ष आष्टा, मुबारिक खान जिला प्रचार मंत्री, हेमराज पोलाया, विक्रम सिंह मालवीय, राजपाल गुर्जर, एस एस भटोनिया , रोहित मालवीय, जीवन सिंह ठाकुर, श्री जोश प्राचार्य, रतन सिंह अजनेरिया ममता यादव, ताजवर वहाब, कल्याण सिंह परमार जिला संगठन मंत्री, गोपाल सिंह ठाकुर, अके सिंह ठाकुर , बाबू लाल बड़ोंदिया सचिव, गनपत सिंह वर्मा, अशोक चौहान, जय वर्मा, बी पी बकोरिया ,किरण वर्मा , सुनीता मालवीय, सीमा सिद्धकी, सहित जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों सहित मध्यप्रदेश के अन्य विभाग के कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर एफ आई आर के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया।

आदिवासी कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

सीहोर। आदिवासी कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुमित नर्रे के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मांग की गई कि सिंगरौली जिले में अडानी ग्रुप को आवंटित कोल ब्लॉक को तत्काल रद्द किया जावे तथा उससे होने वाली भारी पर्यावरणीय क्षति एवं आदिवासी समुदायों के दमन को रोकने के संदर्भ में सौंपा जा रहा है। होगी उल्लेखनीय है कि उक्त आवंटन से लगभग 1400 हेक्टेयर वन भूमि माइनिंग हेतु डाइवर्ट पाँचवी अनुसूची क्षेत्र में आता है. जहाँ अधिकांश जनसंख्या अनुसूचित जनजाति तथा विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह पीवीटीजी से संबंधित है। इस क्षेत्र में आदिवासी अधिकार, ग्रामसभा की सहमति और स्वशासन से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की पूर्ण रूप से उपेक्षा की गई है। साथ ही यह भी गंभीर तथ्य है कि सिंगरौली पुलिस प्रशासन द्वारा बलपूर्वक आदिवासी परिवारों को नजरबंद कर पेड़ कटवाए जा रहे हैं, जो न केवल अनैतिक है बल्कि संवैधानिक अधिकारों का घोर उलंघन भी है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि सिंगरौली जिले में अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक रद्द किया जावे, वन कटाई पर रोक लगाई जाये एवं आदिवासी समुदायों को संरक्षण व सुरक्षा प्रदान की जावे।

ग्रामीणों ने ठेकेदार की मशीन को घेरते हुए स्पष्ट चेतावनी दी

भूमि अधिग्रहण के नाम पर खड़ी फसल पर चला दी मशीन, भड़के किसान, विरोध के बाद रुकवाया काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

भैरुंदा–संदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर मंगलवार को ग्राम बोरखेड़ाकला में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक टीम ने खड़ी फसल पर बुल्डोजर चलाकर मनमानी कार्रवाई शुरू कर दी। किसानों ने स्पष्ट कहा कि या तो उन्हें फसल का पूरा मुआवजा दिया जाए, या फसल कटने तक इंतजार किया जाए, अन्यथा वे किसी भी कीमत पर जमीन पर काम शुरू नहीं होने देंगे।

किसानों के विरोध को देखते हुए एनएचएआई और राजस्व विभाग को अधिग्रहण कार्य रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह एनएचएआई विभाग, राजस्व अधिकारियों और ठेकेदार की टीम बोरखेड़ाकला में अधिग्रहण कार्य शुरू करने पहुंची, तभी बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान मौके पर एकत्रित हो गए। किसान शंकर सिंह मीना, नरेन्द्र सिंह, अजप सिंह, दीपक सिंह तोमर समेत कई किसानों ने आरोप लगाया कि बिना पूरी राशि दिए भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया। खड़ी रबी फसल को नष्ट करना किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार है। प्रशासन ने किसानों को बिना सूचना कार्रवाई शुरू की।

ग्रामीणों ने ठेकेदार की मशीन को घेरते हुए स्पष्ट चेतावनी दी : मुआवजा दो या कटाई तक इंतजार करो, हमारी मेहनत की खड़ी फसल ऐसे बर्बाद मत करो। किसानों का कहना था कि अधिग्रहित जमीन का भुगतान भले मिला हो या प्रक्रिया में हो, लेकिन खेत में खड़ी गेहूं-चना की फसल उनके परिवार की छह महीने की रोज़ी-रोटी है। इसलिए या तो फसल का उचित मुआवजा दिया जाए या फिर कटाई तक कोई काम न किया जाए।

राजस्व अधिकारी बोले...

फसल मुआवजे का प्रावधान नहीं, 41 किसानों को भुगतान हो चुका है। मौके पर पहुंचे एसडीएम सुधीर कुमार कुशवाहा ने जानकारी दी कि परियोजना के लिए 22–23 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। कुल 75 किसान प्रभावित, जिनमें 41 किसानों के खातों में भुगतान किया जा चुका है। 14 किसानों ने अभी तक अपने बैंक खाता नंबर ही नहीं दिए। शेष 20 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के अनुसार खड़ी फसल के लिए अलग से मुआवजे का कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही बताया गया कि जिन किसानों का अधिग्रहण हुआ है, उन्हें अवार्ड की तारीख तक 230 दिनों का ब्याज सहित राशि दी जा रही है। एसडीएम ने कहा कि थ्रीडी (भूमि अधिग्रहण प्रकाशन) जारी होने के बाद जमीन कानूनी रूप से एनएचएआई के स्वामित्व में मानी जाती है।

कलेक्टर ने जिले में विकास और निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों की बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को जिले में चल रहे सभी निर्माण एवं विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने मैदानी अमले को लक्ष्य देकर उसके अनुरूप कार्य को पूर्ण कराए। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान यदि गुणवत्ता में कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी विकास एवं निर्माण कार्यो की मॉनिटरिंग करें और कार्यों को जल्द से जल्द से पूर्ण कराएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी कार्य के लिए उतनी ही समय सीमा बताई जाए जितने समय मे वह कार्य पूर्ण हो सके।

उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को निर्देश दिए कि समय का एक-एक दिन बहुत कीमती है, समय खराब न करें और विकास एवं निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का प्रयास करें। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण के कारण यदि कही सड़क निर्माण कार्य में दिक्कत आती है, तो वहां त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया जाए और निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो। बैठक में लोक निमार्ण विभाग, जल संसाधन, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम, शिक्षा विभाग, सेतु निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

12 फीट चौड़े डिवाइडर से उछलकर बस पहुंची दूसरी लेन

बस ने कार को पीछे से मारी टक्कर 12 यात्री घायल, 2 शाजापुर रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ब्यावरा-पचोर

शहर में मंगलवार दोपहर लगभग 1 बजे पचोर-ब्यावरा हाइवे पर एक तेज रफ्तार लोकल यात्री बस ने आगे चल रही कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सड़क से घिसटती हुई डिवाइडर से सटकर किनारे जा गिरी, जबकि बस उछलकर करीब 12 फीट चौड़े कच्चे डिवाइडर को पार कर विपरीत दिशा की लेन में जा खड़ी हुई। दुर्घटना में बस कंडक्टर समेत 12 यात्री घायल हुए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब ब्यावरा की ओर से तेज गति से आ रही प्रज्ञा ट्रैवल्स की बस एमपी 09 एफए 3815 ने शिवपुरी से इंदौर जा रही कार क्रमांक एमपी 09 डीएल 7545 को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार का नियंत्रण पूरी तरह बिगड़ गया और वह लंबी दूरी तक घिसटते हुए सड़क किनारे पलटने से बचते हुए डिवाइडर के पास जा थमी। बस की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वह डिवाइडर पार कर उलटी दिशा की सड़क पर जाकर रुकी।

पुलिस व एम्बुलेंस दल ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

मौके पर पहुंची पुलिस और एम्बुलेंस दल ने सभी घायलों को पचोर सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद दीपांश (14) निवासी इंदौर को गंभीर अवस्था में शाजापुर रेफर किया गया, जबकि बस कंडक्टर पप्पू पिता धुलजी राव (35) निवासी मिट्ठनपुर, राजगढ़ को हालत नाजुक होने पर राजगढ़ जिला अस्पताल भेजा गया।

पचोर अस्पताल में इनका हुआ प्राथमिक उपचार

भानुबाई नामदेव (70) शिवपुरी
वंश नामदेव (12) इंदौर
आरुषि नामदेव (9) इंदौर
किरण नामदेव (52)
विशाल नामदेव (13)
देववंती भिलाला (19) लटुरी
निकिता (24) सनखेड़ी
प्रताप सिंह वर्मा (64) नापल्याखेड़ी
दुर्गाबाई (28) नापल्याखेड़ी
गीताबाई (50) नापल्याखेड़ी

15 साल पुरानी बसों को बंद करने के आदेश पर भी अमल नहीं

हाल ही में परिवहन मंत्रालय द्वारा एक आदेश जारी कर प्रदेश भर से कंडम बसों को जिनकी उम्र 15 साल हो चुकी है उन्हें तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए। परंतु आरटीओ के ढीले रवैए के कारण आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई बल्कि स्थानीय स्त्रोतों को सच माना जाए तो पचोर- ब्यावरा मार्ग पर करीब दर्जन भर बसें रोजाना तीन से चार फेरे लगाती हैं, जिनमें कई पुराने और बिना परमिट की बसें भी संचालित होने की बात सामने आती रहती है।

इनका कहना है...

बस की स्पीड अत्यधिक थी जिसके चलते यह हादसा हुआ। हमने बस को जब्त कर लिया है। और मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।
शकुंतला बामनिया, थाना प्रभारी

संवाद से समाधान कार्यक्रम के तहत लापरवाहों पर कलेक्टर की गाज

एएनएम की सेवा समाप्त, 2 बीपीएम और बीईई पर भी की गई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶राजगढ़

आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के तहत कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने संवाद से समाधान कार्यक्रम शुरू किया हुआ है। इसके तहत हर हफ्ते किसी एक विभाग की चिन्हित शिकायत सामने रख शिकायतकर्ता और संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी को बैठाकर समस्या का समाधान साथ ही लापरवाहियों पर कार्यवाही की जाती है।

इसके तहत कल स्वास्थ्य विभाग की प्रसूती शिकायतों को चिन्हित किया गया। एक शिकायतकर्ता बाबूराम वर्मा द्वारा बताया गया कि रामकन्याबाई का नसबंदी ऑपरेशन 2 साल पहले हुआ लेकिन उन्हें अभी तक उनकी राशि प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में कलेक्टर ने बीपीएम राजेश यादव और नरसिंहगढ़ बीईई के वेतन से 30 हजार रुपए काटकर रामकन्याबाई को देने के निर्देश सीबीएमओ को प्रदान किए। इसी तरह प्रसूती सहायता के तहत सुनीता तंवर नाम की महिला को भी 2 साल से सहायता राशि के लिए भटकाया जा रहा था। इस लापरवाही पर कलेक्टर ने बीपीएम रामबाबू दांगी, लेखापाल मनोज जाटव को 7 दिवस में राशि भुगतान करने के आदेश दिए।

एएनएम को हटाने के निर्देश

प्रसूती सहायता के एक मामले में सबा पत्नी वाहिद खान की समग्र आईडी एएनएम द्वारा गलत अपलोड करने के चलते उन्हें राशि नहीं मिल पाई। इस पर कलेक्टर ने एएनएम रानू चौरासिया की संविदा सेवा समाप्त करने के तत्ख निर्देश प्रदान किए। प्रसूती सहायता के एक अन्य मामले में लापरवाही पर सारंगपुर के जगदीश दांगी एवं देवेंद्र वर्मा का 7 दिवस का वेतन काटने व एनएचएम एमडी को पत्र लिखने के निर्देश प्रदान किए। जीवन निर्वाह भत्ता पेडिंग रखने के एक मामले में जिला चिकित्सालय के लेखापाल दिनेश पारीक की भी एक वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश प्रदान किए गए हैं।

गायों को बेचने जा रहे ग्रामीण से गोतस्करी के नाम पर अभद्रता की

ब्यावरा। कालीपीठ थाना क्षेत्र के ग्राम महाबल से गोपालक अपनी दो गायों को बेचने लोडिंग वाहन से पचोर जा रहा था। इसी दौरान पचोर रोड स्थित कचनारिया आईटीआई के समीप मंगलवार सुबह पांच युवकों द्वारा गोपालक से अभद्रता कर गोशाला में रशीद काटने के नाम पर पैसों की मांग की गई। गोपालक की शिकायत पर देहात थाना में पांच आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम महाबल निवासी 45 वर्षीय शोभाराम पुत्र बग्शूलाल जाटव ने बताया कि वह झालाबाड़ के दांगीपुरा निवासी गिरीराज तंवर के लोडिंग वाहन से दो गायों बेचने के लिए पचोर जा रहा था तभी कचनारिया आईटीआई के समीप चाय पीने के लिए रुका, उसी समय भारत गुर्जर, धर्मेंद्र ठाकुर के साथ तीन अन्य अज्ञात युवक आए जो गोतस्करी का आरोप लगाते हुए गाली-गलौंज करने लगे। इसके बाद युवकों द्वारा गोशाला के नाम पर 5100 रुपए की रशीद कटवाने का दबाव बनाया गया। विवाद बढ़ने पर युवक मौके से भाग गए।शहर ब्यावरा थानाप्रभारी वीरेन्द्र धाकड़ ने देहात थाना में फरियादी शोभाराम की रिपोर्ट पर दो नामजद सहित पांच के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की।संगठन के नाम पर अवैध वसूली की सूचना मिलने पर कार्यकर्ताओं ने पुलिस को शिकायत आवेदन किया, जिसमें प्रशासन को अवगत कराया गया कि कुछ दिनों से ब्यावरा और आसपास के इलाकों में कुछ लोग संगठन के नाम पर गो परिवहन संबंधित वाहनों को रोककर पैसों की वसूली कर रहे हैं।

कुरावर के वार्ड 5 के बाशिंदों ने सौंपा आवेदन

35 साल से झुग्गियों में रहने के बाद भी नहीं बन पा रहे पट्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶राजगढ़

जिले के कुरावर कस्बे के वार्ड-5 के अनेकों लोग मंगलवार को कलेक्टेट पहुंचे और सालों से एक ही स्थान पर रहने के बावजूद पट्टे न बनाए जाने संबंधी बात अधिकारियों के समक्ष रखी। आवेदकों ने इस संबंध में कलेक्टर से दरख्वास्त करते हुए जांच करवाकर सभी पात्रजनों के पट्टे बनाने की मांग रखी है। कलेक्टर से गुहार लगाने पहुंचे आवेदकों मदन, आजाद, मुनीर, मनीष, विनोद सेन, नारायण सिंह, मोहम्मद अली, गोरधन, प्रेम भारती, राकेश सहित अन्य ने बताया कि वे कुरावर के वार्ड-5 में झुग्गियां बनाकर करीब 35 सालों से निवासरत हैं। न तो उन्हें पट्टे दिए गए हैं और न ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उन्हें मिल पाया है। आवेदकों की माने तो प्रशासन द्वारा पूर्व में दो-तीन बार सर्वे भी किया जा चुका है लेकिन इसके बाद भी पट्टा वितरण नहीं हो सका है।

मुख्यमंत्री की घोषणा का दिया हवाला

कलेक्टर के नाम संबोधित आवेदन में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उस घोषणा का उल्लेख भी किया गया जिसमें उनके द्वारा कहा गया था साल 2020 तक जो जहां मकान बनाकर रह रहा, उसे वहीं का पट्टा भी बनाकर दिया जाएगा। उक्त सभी आवासहीन झुग्गी निवासी लोगों ने कलेक्टर से अनुरोध किया कि प्रशासनिक अधिकारियों से सर्वे करवाकर तुरंत सभी के पट्टे बनवाए जाएं।

कचराघर बना जिला अस्पताल, 8-10 दिनों से नहीं पहुंच रही कचरागाड़ी, मरीजों में संक्रमण की संभावना बढ़ी

ब्यावरा। राजगढ़ नगरपालिका की लापरवाही एवं गैरजिम्मेदार कार्यशैली के चलते जिला अस्पताल में सामान्य कचरे का ढेर दिन दिन बढ़ता जा रहा है। हालात यह है कि महीने में कई बाद लंबे अंतराल के बाद कचरा गाड़ी जिला अस्पताल का कचरा उठाने पहुंचती है जिस पर अस्पताल प्रबंधन ने पूर्व में भी नगरपालिका को अवगत करवाया था। परंतु ढर्रा सुधरने का नाम नहीं ले रहा है बल्कि कचरे का ढेर बढता जा रहा है जिसको जानवर खाते देखे जा सकते है परंतु नगरपालिका के जिम्मेदारों ने जैसे आखें मूंद ली हो। इसी बात को लेकर एक बार फिर सिविल सर्जन डॉ रजनीश शर्मा ने नगरपालिका को लिखित पत्र द्वारा अवगत कराया हैएवं पूर्व में भी जारी किए गए पत्रों का हवाला दिया है कि जिसमें कचरा गाडी 8 से 10 दिनों में कचरा उठाने की बात कही गई हैं। इससे मरीजों में संक्रमण का खतरा भी लगातार बना रहता है।

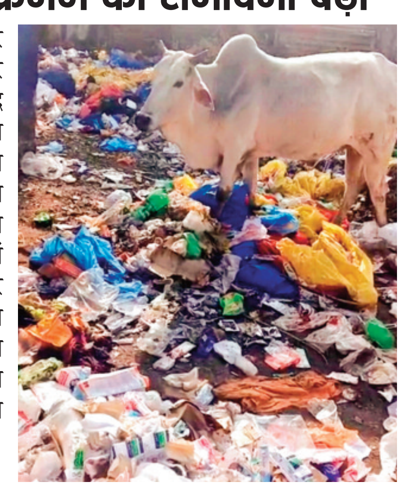

सीएमओ बोले पहुंच गई आज गाड़ी

सीएमओ राजगढ़ नगरपालिका पवन अवस्थी बोले की मंगलवार को 2 बजे हमने कचरा गाड़ी पहुंचा दी है और पता करेंगे की समय पर कचरा गाड़ी अस्पताल क्यों नहीं पहुंच रही।

पुरातात्विक महत्व की धरोहर के पास कचरा फेंक पहुंचाया जा रहा नुकसान

माचलपुर। नगर की देवरा बाल्डी पर स्थित पुरातात्विक महत्व की संपदा छनिहारी, पनिहारी का पुरातत्व विभाग द्वारा लाखों रुपए खर्च कर जीर्णोद्धार कर सहजने का कार्य किया गया था। लोगों ने छानियारी, पनिहारी के स्तूप जिन पर आकर्षक कलाकृति कारीगरी के पत्थरों से बनी और पुरातत्व महत्व की संपदा है जहां लोग आकर्षित होकर दूर दूर से देखने और इतिहास जानने आते हैं को भी गंदगी का अड्डा बना दिया है। पूर्व में भी असामाजिक तत्वों ने अपनी शरणस्थली बनाई अब किसी अज्ञात लोगों द्वारा दूने पतल और डिस्पोजल से भरी टैक्टर ट्राली का कचरा फेका गया जिसके कारण यह चारों और गंदगी व्याप्त हो गई। और पशु इनको खाते देखा गया जो इन पशुओं की मौत का कारण भी बन सकता है। नगर परिषद को उक्त गंदगी फैलाने वाले की जानकारी जुटा कर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए जिससे भविष्य मैं ऐसा कृत्य पुनः ना करे। पुरात्व विभाग अधिकारी मनोहर सिंह उयके के द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया गया।

क्या कहना है...

मुझे एक वीडियो मिला है जिसने भी यहां कचरा फेका उसकी जानकारी लेकर कार्यवाही की जाएगी, साथ ही नगर के सभी गार्डन धर्मशाला वालों को नोटिस जारी करेंगे।
देवेंद्र कुमार वत्स, मुख्य नगरपालिका अधिकारी माचलपुर

मांडू-इंदौर का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

ब्यावरा। स्थानीय विद्यालय इंदौर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का मांडू एवं इंदौर का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मांडू स्थित जहाज महल, रूपमती महल, हिंडोला महल, जामा मस्जिद, चतुर्भुज श्री राम मंदिर तथा मांडू की प्राचीन स्थापत्य कला का अवलोकन किया। इतिहास से जुड़े इन स्थलों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को नई दिशा प्रदान की। दूसरे दिवस पर दल ने इंदौर स्थित रीजनल पार्क, श्री गणेश मंदिर खजराना एवं पीनेक्स सिटाडेल मॉल का भ्रमण किया। डायरेक्टर 'हरिओम दांगी' ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थल-आधारित अध्ययन, सांस्कृतिक समझ एवं सामूहिकता का अनुभव कराना था, जो पूर्णतः सफल रहा। प्राचार्य चेनसिंह जाटव' ने सभी प्रमुख स्थलों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराया। भ्रमण दल में विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

युवाओं ने विश्व एड्स दिवस पर लोगों को जागरूक किया

जीरापुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय में सिनर्जी संस्थान एवं एसबीआई फाउंडेशन ऑन व्हील्स कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ हिमांशु चाष्टा ,समस्त स्टाफ स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कार्यक्रम की शुरुआत की।इस दौरान सिनर्जी संस्थान जिला समन्वयक संतोष सेन, डॉ. राजेश चैधरी ने विश्व एड्स दिवस की थीम, समाज में फैली भ्रांतियों तथा भेदभाव को दूर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को सुरक्षित व्यवहार अपनाने और जागरूक रहने का संदेश दिया। एचआईवी जागरूकता पर आधारित एक फिल्म भी प्रदर्शित की गई। स्वास्थ विभाग जिला हेल्थ चेकअप टीम द्वारा युवाओ का हैल्थ चेकअप भी करवाया गया। लगातार 5 सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को भेंट देकर प्रोत्साहित किया गया। रैली निकाली।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक रहने और भेदभाव-मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई गई। सिनर्जी संस्थान जिला समन्वयक संतोष सेन डॉ. राजेश चौधरी, दुर्गेश दांगी, सुगन दांगी, सुनील दांगी, शीतल मेनिया उपस्थित रहे।

छात्र जोड़ो यात्रा के तहत छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित

ब्यावरा। मंगलवार को जिला एनएसयूआई नेता संजय पंवार द्वारा छात्र छात्राओं से चर्चा कर उन्हें देनप की सदस्यता दिलाई एवं नई कार्यकारणी का गठन किया। शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं बालगोपाल कालीपीठ में छात्र जोड़ो यात्रा के तहत छात्र संवाद के आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी शिक्षा, सुविधाओं, रोजगार एवं कॉलेज संबंधी समस्याओं को साझा किया, जिनका समाधान नेता संजय पंवार द्वारा प्राथमिकता से कराने का आश्वासन दिया गया। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य हर छात्र की आवाज को मजबूती देना और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना है। इस अवसर पर मुख्य रूप से यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक वीरेंद्र सोधिया, कालीपीठ ब्लाक अध्यक्ष राहुल सिंह सोधिया,अरविंद सोधिया ब्लॉक अध्यक्ष ब्यावरा, संदीप पंवार (बापची),महेंद्र कलाकोट, सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। एनएसयूआई बयावरा ने बताया कि छात्र जोड़ो यात्रा का लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर मजबूत छात्र नेतृत्व तैयार करना है।

गीता जयंती धूमधाम से मनाई गई

कुरावर। ग्राम बिरगड़ी स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय में गीता जयंती का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में गीतापाठ के साथ पर्व को मनाया। कार्यक्रम में संकुल केंद्र कुरावर से जन शिक्षक महेंद्र सिंह खींची, कृष्णकांत शर्मा तथा पंकज चंद्रवंशी ने भाग लिया। उन्होंने गीता के श्लोकों का पाठ किया और उपस्थित छात्रों एवं अभिभावकों को गीता के आदर्शों से परिचित कराया। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य ने कहा, गीता जयंती हमें जीवन में सत्य, धर्म और सेवा का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गीता के श्लोकों का सामूहिक पाठ किया।

नगर की सफाई व्यवस्था चरमराई, स्थाई सफाई कर्मियों ने समर्थन में किया काम बंद

नपा के अस्थाई सफाईकर्मियों की चौथे दिन हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶सारंगपुर

नगर पालिका में कार्यरत स्थाई कर्मियों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश के बाद उत्पन्न विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आदेश के विरोध में सफाईकर्मी लगातार चौथे दिन भी हड़ताल पर डटे रहे, उनके समर्थन में स्थाई कर्मी ने भी काम बंद कर दिया जिसके चलते पूरे नगर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। कचरा वाहन भी नहीं निकले स्थिति यह है कि शहर के कई प्रमुख मार्गों, गलियों और मोहल्लों में कचरे का अंबार लग गया है। जगह जगह सड़क किनारे कचरा फैला हुआ है, एक तरफ स्वच्छंद रूप से घूम रहे पशु कचरा खा रहे हैं। हालात यह है कि संक्रमण फैल सकता है।

वहीं सफाईकर्मियों का कहना है कि बिना किसी स्पष्ट कारण व प्रक्रिया के उनकी सेवाएँ समाप्त कर दी गईं, जिससे उनके परिवारों का जीवन संकट में पड़ गया है। परिवार चलाना कठिन हो गया।तो दूसरी ओर नपा अपनी वित्त व्यवस्था पर भी नजर रख रही मुख्य नगरपालिका अधिकारी ज्योति सुनेरे का कहना है कि यह कार्रवाई शासन के वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत की गई है। मामला तूल पकड़ता जा रहा है और कर्मचारी पुनः नियुक्ति की मांग पर अड़े हुए हैं। हड़ताल के चलते नगर की स्वच्छता व्यवस्था ढह गई है। मुख्य मार्गों से लेकर मोहल्लों तक कचरा नहीं उठा पा रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। नागरिकों ने नगरपालिका से जल्द समाधान निकालने की मांग की है ताकि शहर में स्वच्छता बहाल हो सके।

इधर सफाईकर्मी संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी सेवाएं बहाल नहीं की जातीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उधर नगरपालिका प्रशासन स्थिति सामान्य करने के लिए उच्च अधिकारियों से चर्चा कर समाधान तलाशने की बात कह रहा है। फिलहाल टकराव के बीच शहर की सफाई व्यवस्था की मार झेल रहा है और हालात सुधारने के लिए त्वरित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। उल्लेखनीय यह भी है कि नगर पालिका में अपने चहेतो की फर्जी नियुक्ति की चर्चा चौक चौराहे पर हो रही हैं।

खबर संक्षेप

अध्ययन यात्रा पर जम्मू कश्मीर जाएंगे सिद्दीकी

जावर। जम्मू कश्मीर की विविध संस्कृतियों का मिश्रण और मानव अधिकारों का महत्व एक अध्ययन यात्रा जहां कश्मीर की मिश्रित संस्कृति (हिंदू मुस्लिम सिख बौद्ध) जैसे महानतम धर्म द्वारा निर्मित आदित्य संस्कृति जिसे कश्मीरियत के रूप में विश्व भर में जाना जाता है। के अध्ययन वहां की लोक परंपराएं भाषा, खान-पान, रहन-सहन तथा मानवीय मूल्यों एवं अधिकारों के अध्ययन हेतु राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन भारत नई दिल्ली संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद अकबर सिद्दीकी को विजिटर (प्रतिनिधि) के रूप में राज्य जम्मू कश्मीर की यात्रा हेतु प्रस्तावित किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एम एल शर्मा ने स्वीकृति प्रदान करते हुए कहा है कि राज्य जम्मू कश्मीर की लोक संस्कृति,संस्कृति अधिकार, मानव अधिकार जिनका उद्देश्य समानता, मानवीय गरिमा और गैर भेदभाव की स्थिति में भारतीय महानतम संस्कृति का अनेक घटकों का अध्ययन मानवीय समाज, समरसता, बंधुत्व, भाईचारा एवं संरक्षण हेतु आपको अध्ययन के साथ-साथ संगठन के विस्तार हेतु भी राज्य जम्मू कश्मीर हेतु नियुक्त किया जाता है। आपकी यात्रा 5 दिसंबर से 12 दिसंबर के मध्य रहेंगी बाकी इस यात्रा हेतु सभी संगठन एवं मित्र जनों में शुभकामनाएं प्रेषित की।

शौंचालयों की नियमित सफाई हेतु ग्रामीण क्षेत्र में वॉश ऑन व्हील सेवा शुरू

11 क्लस्टर्स के 282 पंचायतों में वॉश ऑन व्हील सेवा सुविधा करवाई जाएगी उपलब्ध

कार्य प्रारम्भ करने से पहले सिटीजन यूजर के पास प्राप्त ओटीपी बताना होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

शासन के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में खुले में शौच मुक्त की गुणवत्ता एवं निरंतरता को बनाये रखने के लिए घरेलू,संस्थागत एवं सामुदायिक शौंचालयों की नियमित सफाई हेतु वॉश ऑन व्हील सेवा को प्रारम्भ किया गया है, जिसमें जनपद पंचायत के कुल 11 क्लस्टर्स के 282 ग्रामों में यह सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी, वॉश ऑन व्हील सेवा अंतर्गत स्वच्छ एम पी पोर्टल पर कुल 18 स्वच्छता साथियों (सफाई कर्मी) का चयन एवं पंजीयन किया गया है। शासन के एनआईसी विभाग द्वारा वॉश ऑन व्हील डब्ल्यूएचओ ऐप बनाया गया है। जिसमें दो प्रकार के यूजर होंगे, जिसमें एक यूज़र सिटीजन होगा और दूसरा यूज़र स्वच्छता साथी होगा। सिटीजन लॉगिन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति या संस्था प्रमुख शौंचालय की सफाई हेतु अनुरोध दर्ज करा सकते हैं, जिससे दूसरा यूजर (स्वच्छता साथी) अनुरोध स्वीकार कर घरेलू शौंचालय, संस्थागत शौंचालय व सामुदायिक शौंचालय की सफाई सम्बन्धी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। उक्त सेवाओं के लिए शासन के निर्देशानुसार घरेलू शौंचालय के लिए 50 रुपये, संस्थागत/सामुदायिक शौंचालय के लिए 250 रुपये सेवा शुल्क निर्धारित किया गया है, उक्त ऐप में समय संबंधी स्लॉट निर्धारित किये गए हैं,समय संबंधी स्लॉट की उपलब्धता केआधार पर स्वच्छता साथी द्वारा सेवायें प्रदान की जायेंगी। कार्य प्रारम्भ करने से पहले सिटीजन यूजर के पास प्राप्त ओटीपी बताना होगा तथा कार्य पूर्ण होने तथा ग्राहक की संतुष्टि के आधार पर पुनः ओटीपी दर्ज करना होगा। उपलब्ध कराई गई सेवाओं का निर्धारित शुल्क यूपीआई, ऑनलाइन व नगद भुगतान द्वारा संबंधित स्वच्छता साथी को सेवा शुल्क प्रदाय किया जाएगा। जनपद पंचायत-आष्टा सभाकक्ष में दिनांक 20 नवंबर को प्रथम प्रशिक्षण चयनित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं स्वच्छता साथियों के लिए आयोजित किया गया था,जिसमें वॉश ऑन व्हील्स सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर डब्ल्यूएचओ ऐप पर हैंड्स ऑन करवाया गया था। इसी क्रम में 02 दिसंबर को जनपद पंचायत परिसर में स्थित संस्थागत शौंचालयों की सफाई डब्ल्यूएचओ ऐप के माध्यम से पूर्ण करवाई गई।

इस अवसर पर जनपद पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित कुमार व्यास द्वारा स्वच्छता किट में उपलब्ध आधुनिक मशीन व अन्य सामग्री के द्वारा शौंचालयों की सफाई के कार्य का मौके पर निरीक्षण किया गया। साथ ही अध्यक्ष प्रतिनिधि द्वारा कार्य में संलग्न स्वच्छता साथियों से वॉश ऑन व्हील सेवा के बारे में चर्चा कर उसके महत्त्व के बारे में बताया तथा स्वच्छता साथियों को शुभकामनायें दे कर प्रोत्साहित किया। इस कार्य से स्वच्छता साथियों को प्रतिमाह न्यूनतम 15000 से 20000 तक आय प्राप्त होने की संभावना है, वर्तमान में वॉश ऑन व्हील सेवा को क्लस्टर-खड़ी हाट व सिद्दीकगंज से जुडी कुल 26 ग्राम पंचायतों में प्रारम्भ किया गया है, आगे आने वाले समय में जनपद पंचायत की समस्त ग्राम पंचायतों/ ग्रामों में यह सेवा उपलब्ध कराई जाना प्रस्तावित है। जनपद पंचायत-आष्टा में पदस्थ स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के ब्लॉक समन्वयक गौरव सिंह राठौड़ द्वारा शासन द्वारा किये गए वॉश ऑन व्हील सेवा संबंधी नवाचार के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। जनपद पंचायत-आष्टा के लेखापाल गोविन्द शर्मा द्वारा जनपद परिसर में स्वच्छता कार्य हेतु आवश्यं समन्वय प्रदान किया। आयोजित किये किये जा रहे। प्रशिक्षण व डब्ल्यूएचओ ऐप संबंधी हैंड्स ऑन कार्य में कंप्यूटर ऑपरेटर इमरान खान एवं सतीश वर्मा द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

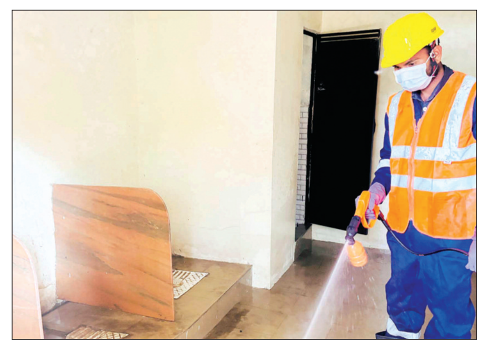

दिव्यांगता कमी नहीं बल्कि परिस्थितियों की चुनौती हैः जैन

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीहोर के निर्देशानुसार में ऋचा जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के द्वारा 03 दिसम्बर को दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आष्टा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। जिसमें श्रीमती जैन ने कहा कि दिव्यांगता को अक्सर लोग केवल शारीरिक कमी के रूप में देखते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि यह कमी नहीं, बल्कि परिस्थितियों की चुनौती है। इंसान ने जब-जब सीमाओं को स्वीकार करने से इनकार किया है, उसी समय नई तकनीक, नई सोच और नए आविष्कार जन्म लेते रहे हैं। आज दुनिया उस मोड़ पर है, जहां विकलांगता का मतलब अब जीवन भर निर्भर रहना नहीं रहा, बल्कि नई संभावनाओं की शुरुआत बन चुका है। हर साल मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस इसी सोच को आगे बढ़ाने का दिन है। कार्यक्रम में प्राचार्य संतोष शर्मा शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग ने जगदीश चौहान को सौंपी प्रदेश उपाध्यक्ष की ज़िम्मेदारी

आष्टा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ट कांग्रेस नेता जगदीश चौहान को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग में प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे बड़े पद पर नियुक्त किया पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान सयुक्त सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी हेमंत नरवरिया की अनुशंसा पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कांग्रेस नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगदीश चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग में नियुक्ति प्रदान कर चौहान को बड़ी जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग राजेन्द्र पाल गोतम द्वारा घोषित मध्य प्रदेश पदाधिकारीयो की सूची में विधान सभा क्षेत्र आष्टा के वरिष्ट कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगदीश चौहान को बड़ी जिम्मेदारी देकर प्रदेश में काम करने का अवसर दिया।

एसबीएस स्कूल में नपा की स्वच्छता टीम ने होम कंपोस्ट कार्यशाला के साथ दिलाई स्वच्छता की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

एसबीएस कॉन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल, सेमिनरी रोड, आष्टा में नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर राय सिंह मेवाड़ा व मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनोद कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में नगर पालिका की स्वच्छता टीम द्वारा होम कंपोस्ट कार्यशाला एवं सामूहिक स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया।

संस्था के प्रतिनिधि राजकुमार अकेला ने बताया कि घर से निकलने वाले किचन वेस्ट से आसानी से ऑर्गेनिक कंपोस्ट तैयार किया जा सकता है, जो बागवानी के पौधों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे रासायनिक खादों पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होता है। राजकुमार अकेला द्वारा कंपोस्ट बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई। विनय सिंह द्वारा स्रोत पर कचरा पृथक्करण पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि कचरा घर से ही सूखा-गीला अलग किया जाए तो उसका पूर्ण प्रबंधन सम्भव है, अन्यथा यही कचरा बड़े ढेरों का रूप लेकर जल, वायु और मिट्टी प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है। स्कूल प्रिंसिपल भोलू सिंह ठाकुर व खत्री ने भी स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वच्छता को आदत और जिम्मेदारी दोनों के रूप में अपनाने का संदेश दिया।

महिला उत्पीड़न के मामले में मध्यप्रदेश नंबर एक पर हैः प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नव नियुक्त प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी का इंदौर से भोपाल जाते समय ब्लॉक कांग्रेस कमेटी व महिला कांग्रेस द्वारा बाईपास चौराहे पर स्वागत किया। स्वागत के दौरान नव नियुक्त प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कि पूरे देश में महिला उत्पीड़न के मामले में मध्यप्रदेश नंबर एक पर है बेरोजगारी कानून व्यवस्था मध्यप्रदेश में बेहाल है हम सब लोग महिलाओं के अधिकार के लिए युवाओं को रोजगार के लिए और देश के अन्नदाता किसान के अधिकार के लिए संघर्ष करते रहेंगे उपरोक्त स्वागत में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शोभाखेड़ी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, नगर अध्यक्ष जाहिद खान गुड्डू, ग्रामीण अध्यक्ष महेश मुंदीखेड़ी, जिला महिलाा कांग्रेस अध्यक्ष देवास संगीता यादव,घनश्याम जांगड़ा, राखी परमार, गीता कुशवाहा, तबस्सुम खान,प्रमिला सिरसौट, हेमलता चौहान, कांताबाई, रामकली बाई, तेजू चौहान, रेखा,सीता, कमलाबाई, रीना मलेशिया, तेज कुमार चौहान, संजू ,सीमा, अलका यादव, पूर्व पार्षद सुषमा, ममता काकोरी, संगीता जमुना, दीपिका, सहन बी, सुनील कटारा, सुनील यादव, हरेंद्र नौगांव, वीरेन्द्र कोलरी, सन्नवर खान, रशीद नेता जी, लोकेंद्र बनावट,देवराज परमार,देवेंद्र परमार, डॉ हरि मेवाड़ा, डॉ एजाज खान, बब्बन खान,दिग्विजय मेवाड़ा, शंकर सक्सेना,दिलीप मालीखेड़ी, रिजवान माहिर, नासिर मसूदी आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व नपाध्यक्ष ने किया प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की नव न्युक्त प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी एवं राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा का आष्टा बायपास पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ मीना सिंगी नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। ज्ञात रहे कि दोनों नवनियुक्त जनप्रतिनिधिगण पदभार ग्रहण करने भोपाल के लिए रवाना हुई थी। इस अवसर अलका लाम्बा ने कहा कि रीना बोरासी क्रो महिला कांग्रेस की कमान वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा सौंपी गई है, हम सबक्रो मिलकर उनका साथ देना है और कांग्रेस क्रो मजबूत बनाना है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कि मुझे राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है मैं उसका पूर्ण ईमानदारी व लगन के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रति नागरिकों का भरोसा बढ़ाने का काम करूंगी। आप लोगों का सहयोग अपेक्षित है। हम एक-दूसरे की सहायता से ही पार्टी को मजबूती प्रदान कर सकते है। स्वागत करने वालो मे पूर्व नपाध्यक्ष डॉ मीना सिंगी, कांग्रेस नेता कमलसिंह चौहान, हिफज्जुर्रहमान भैया मिया, सौभालसिंह मुगली, शांतिलाल मंडलोई, सौभालसिंह बगैर, प्रहलादसिंह वर्मा, कांग्रेस नेता विनीत सिंगी, पूर्व पार्षद इदरीस मंसूरी, सुनील सेठी, धर्मेंद्र ठाकुर, एचआर परमाल, चन्दर ठाकुर, भैया एमपी, सोहेल मिर्ज़ा, आत्माराम परमार, नईमद्दीन, शेख सलीम अंसारी, कलीम उद्दीन, महेन्द्र ठाकुर, विनोद ठाकुर, जगदीश चौहान, कृपाल मालवीय, लालिता बाई, लक्ष्मी बाई, ज्योति, पायल, नेहा गोड़, कोमल, सुनीता बाई, रितिका, साक्षी, पल्लवी, मालती बाई, उन्नति, शीतल वर्मा, रामचंद्र दावरिया, एलकार मेवाड़ा, राजेश यादव, गौरे मिया, गुड्डू मैना, ईमरत मालवीय, शम्मी खा, खालिद खाकी, भूरू मुकाती, मनीष डोंगरे, संतोष वर्मा, संदीप ठाकुर, एनके यादव, राहुल चिन्नौठा, मनोज धनगर, बंसीलाल बॉम्बे, गुड्डू खां, दीपक कंचन आदि लोग मौजूद थे।

इनर व्हील क्लब ने ऑरेंज वर्ल्ड कैंपेन के अंतर्गत निकाली रैली

उज्ज्वल आशा, सुरक्षित दुनिया के तहत चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

इनर व्हील क्लब आष्टा द्वारा इनर व्हील क्लब 304 की थीम"उज्ज्वल आशा, सुरक्षित दुनिया"के अंतर्गत विश्व महिला हिंसा उन्मूलन अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोनी के नेतृत्व में टीम ने ग्रीन फील्ड कॉलेज में छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, और सम्मानजनक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया।

विद्यार्थियों को हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने और दूसरों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके पश्चात विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं क्लब के सदस्यों के साथ नारंगी जागरूकता रैली निकाली गई। सभी प्रतिभागियों ने नारंगी रंग की पट्टियाँ, बैज और पोस्टर लेकर नारे लगाते हुए हर औरत की आवाज़ – हमारा संकल्प, हमारी आवाज़, महिला सुरक्षा सबकी ज़िम्मेदारी और हिंसा को ना कहें जैसे नारे लगाए। क्लब की अध्यक्ष ने बताया कि यह अभियान 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा, जो संयुक्त राष्ट्र की 16 दिवसीय सक्रियता के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष संगीता सोनी ने कहा हमारा संदेश स्पष्ट है, नारी सुरक्षित तो समाज सुरक्षित। जब हर महिला को सम्मान मिलेगा, तभी उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है।"अंत में स्कूल प्रबंधन ने इनर व्हील क्लब के इस सराहनीय प्रयास की सराहना की और सभी प्रतिभागियों ने महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। क्लब अध्यक्ष संगीता सोनी, उपाध्यक्ष सुनीता सोनी, सचिव दीपिका सोनी, कोषाध्यक्ष श्रध्दा पालीवाल, एडिटर अर्चना सोनी, आईएसओ जयश्री शर्मा, गीता सोलंकी सहित कॉलेज संचालक धर्मेंद्र गौतम, बबीता गौतम, पूजा शर्मा, कोमल विश्वकर्मा एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

गीता कर्म का मार्ग बताती है और शरीर मात्र एक उपकरणः संत श्रीपाद प्रहलाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के सांदीपनि सीएमराइज़ शासकीय उमावि में विकासखण्ड स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन किया गया। प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि विरासत भी, विकास भी की परिकल्पना को लेकर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति संचालनालय द्वारा अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न संस्थानों विशेषकर विद्यालयो के किशोर विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित कर विभिन्न आयोजन पूरे प्रदेश में किये जा रहे हैं, इनका उद्देश्य मध्यप्रदेश के नागरिकां की प्रतिभा, नेतृत्व तथा सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करना है। इसी तारतम्य में विकासखण्ड स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन हुआ। इस महोत्सव के अंतर्गत गीता जयंती के अवसर पर नगर के सांदीपनि विद्यालय के विशाल सभागृह में नगर के विभिन्न शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयां के सैकड़ो विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गीता के अध्याय 15 के श्लोकों का हिन्दी अनुवाद सहित पाठ करके उनके लिये ज्ञान, कर्तव्य और आत्मबल का मार्ग प्रशस्त किया गया।

इस अवसर पर इस्कॉन सेन्टर उज्जैन से पधारे संत श्रीपाद प्रहलाद प्रभु जी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नितिन कुमार टाले, जिला पंचायत उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंडलोई, अध्यक्ष जनपद पंचायत प्रतिनिधि सोनू गुणवान, उपाध्यक्ष गजराज सिंह मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में तथा आयोजक सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान, बीआरसीसी अजबसिंह राजपूत, गीता महोत्सव प्रभारी संजीव दीक्षित, सुदीप जायसवाल, पंडित रघुनंदन शर्मा, संदीप सोनी, गोविन्द शर्मा आदि की उपस्थिति में कवि अतुल जैन सुराणा के संचालन में मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात सस्वर स्वस्ति वाचन के साथ गीता पूजन सम्पन्न किया गया तथा नगर के इस्कॉन सेंटर से पधारे गीता भक्तो द्वारा शंखनाद के माध्यम से आयोजन का मार्ग प्रशस्त किया गया तत्पश्चात सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई जिसनें वातावरण का रसमय बनाया।

अतिथिगणों का आयोजक मंडल द्वारा पुष्पमाला और तिलक लगाकर स्वागत अभिनंदन किया गया तथा एक बार फिर स्वागत गीत की स्वर लहरियो के माध्यम से सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों नें नई ऊर्जा का संचार किया।अपने क्रम को सार्थक करते हुये इस्कॉन सेन्टर के नन्हें बालक वंश पाठक नें गीता के 15 वे अध्याय के श्लोको का पाठ किया और उनका सार सभी को हिन्दी में भी समझाया। इसके पश्चात विशेष वक्ता के रूप में इस्कान उज्जैन से पधारे श्रीपाद प्रहलाद प्रभु में सभी को संबोधित करते हुये कहा कि गीता कर्म का मार्ग बताती है और जिस शरीर को हम सबकुछ समझते हैं वास्तव में वह केवल एक उपकरण है जिसका सदुपयोग करके ही हम परम पद को प्राप्त कर सकते हैं एवं इसका सही उपयोग सिखाने का कार्य गीता करती है।

अपने उद्बोधन में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान नें कहा कि सांसारिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ज्ञान होना भी आवश्यक है तभी जीवन की सार्थकता है और यही सार्थकता गीता देती है। सांदीपनि, मार्टिनेंट, शास्त्री स्मृति, टेलेण्ट, संस्कृति विद्यालय के उपस्थित सभी विद्यार्थियो नें पूरे आयोजन में समस्त ज्ञान की बातो को पूरे मनोयोग और शांतिपूर्वक सुनकर उन्हें अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। अंत में संचालक कवि अतुल जैन सुराणा द्वारा गीता महोत्सव प्रभारी संजीव दीक्षित से आभार प्रदर्शन करवाया गया।